अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–दो पंक्तियां में:

प्रश्न 1 बड़े – बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उतर बड़ी–बड़ी बिल्ड़िगें बनाने के लिए बिल्डर समुन्द्र को पीछे धकेल रहे थे।

प्रश्न 2 लेखक के घर किस शहर में था?

उतर लेखक का घर ग्वालियर शहर में था।

प्रश्न 3 जीवन कैसे घरों मे सिमटने लगा है?

उतर जीवन डिब्बे जैसे छोटे – छोटे घरों में सिमटने लगा है।

प्रश्न 4 कबूतर परेशानी से इधर –इधर इसलिए फड़फडा रहे थे, क्योंकि उनके दोनों अंडे टूट चुके थे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25–30 शब्दों में) उत्तरः

प्रश्न 1 अरब के लशकर को मूह के नाम से क्यों याद करते है?

उतर अरब के लशकर नाम के एक पैगम्नर रहते थे। एक बार उन्होने एक जख्मी कूत्ते को देखकर कहा 'दूर हो जा गंदे कुत्ते '। कुत्ते ने जवाब दिया न तुम अपनी मर्जी से कुत्ता बना हूँ, और न तुम अपनी मर्जी से ईसान बने हो। सनको बनाने वाला वही एक परमात्मा है। कुत्ते की बात सुनकर लशकर को अपनी गलती का एहसास हुआ और वे जीवन भर इस गलती के लिए रोते रहे। अरब में ज्यादा रोने वाले को मूह के नाम से जाना जाता है, इसलिए लशकर को भी वहाँ नूह कहते है।

प्रश्न 2 लेखक की माँ किस समय पेडो से पत्ते तोडने के लिए मना करती थीं और क्यों?

उतर लेखक की माँ शाम के समय सूरज ढलने के बाद अपने बेटे को पेडो के पत्ते तोडने के लिए मना करती थी। ऐसा कहकर वे अपने बेटे के लिए में पेड पौधे के प्रति प्रेम की भावना जगाना चाहती थी। विज्ञान के अनुसार सुरज ढलने के बाद पेड अपना भोजन बनाना बंद कर देते है, और उनके कारबन डाई आक्साईड नामक गैस निकलने लगती है, इसलिए लोग सूरज ढलने के बाद पेडो के पास नही जाते है।

प्रश्न 3 प्रकृति मे आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

उतर मनुष्य ने अपनी आवष्यकता की पूर्ती के लिए पेडो को काटना , नदियों को पाटना, और नारूद का इस्तामाल करना शुरू कर दिया, जिसके कारण प्रकृति का संतुलग निगडं गया और इसका परिणाम यह हुआ कि अब गर्मी मे ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, जललें, सैलाव और तुफान और नित नये रोग मनुष्यों को परेशान कर रहें है।

प्रश्न 4 लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोजा क्यों रखा?

उतर लेखक के ग्वालियर वाले घर में एक रोशनदान में कबूतर के दो अडे को उपककर तोड़ दिया । यह देखकर लेखक की माँ ने दूसरे अंडे को सुरक्षित जगह पर रखने के लिए उठाया, तो दूसरा अंडा उनके हाथ से गिरकर टूट जाने के कारण कबूतर परेशार होकर फडफडानें लगे इस कारण लेखक की माँ को बहुत दुख हुआ, और हन्होने इस गलती की माफी माँगने के लिए दूसरे दिन रोजा रखा और बार–बार नमाज पढकर खुदा से अपनी गलती की माफी माँगती रही।

प्रशन 5 लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उतर लेखक जब छोटा था, उस समय वह ग्वालियर में रहता था। तब लोगो के मन में पशु–पक्षी पेड़–पौधो के प्रति बहुत प्रेम था। लोग बड़े–बड़े दकलानों वाले मकानों मे मिल–झुल कर रहता थे, और एक दूसरे के दुख – सुख में शामिल होते थे। बड़े होने पर लेखक बंबई शहर मे रहने के लिए गया तब ता लोगों की भावनाँए काफी बदल चुकी थी, अब

वे छोटे मडानों मे रहने लगे थे। अपनी आवश्यक्ताओं के लिए पेड़–पौधों को काटना शुरू कर दिया था। जिसके कारण बहुत से पशु–पक्षी बेघर हो गए थे कुछ ने आस–पास की बस्तियों मे अपना डेरा डाल लिया था, और कुछ मर गए थें अतः स्पष्ट है, कि लेखक ने ग्वालियर से बंबई। तक बहुत से बदलावों को महसूस किया।

प्रश्न 6 'डेरा डालने' से आप क्या समझते है? स्पष्ट।

उतर 'डेरा डालने' का मतलब है, अस्थाई निवास बनाना। पक्षी अधिकतर किसी स्थात पर अपना पर अपना जाते है, उड़ना सीखे जाते है। तो वे उस घौंसले को छोडकर चले जाते है। इसी प्रकार मनुष्यों मे भी कुछ लोग किसी काम से कुछ दिन के लिए दूसरे देश या शहर मे जाते है, वहाँ किराए पर मकान लेते है, तो छोड़कर चले जाते है। इसे डेरा डालना बहते है।

प्रश्न 7 शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ का कयों उठ खड़े हुए?

उतर एक बार शेख अयाज के पिता कुँए पर स्नान करने गए तो एक च्योंटा उनके कपडो पे चिपककर आ गया। जब वे खाना खाने बैठे तब उनकी निगाह अपना कुरते को बाजू पर पेंगते हुए च्योटे पर पडी वे तुरंत भोजन छोड़कर उठ खडे हुए। उनकी पत्नी ने जब इसका कारण पूछा तो उन्होने कहा मैने एक जीव को बेघर कर दिया है। उसे उसके घर वापस छोडने जा रहा हूँ। वे कुएँ पर गए और उन्होने चीटे का वहाँ पर छोडा, फिर घर लौण्कर भोजन किया।

50–60 शब्दों में प्रश्नों के उत्तरः–

प्र01 बढती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पडा?

उ01 जब ये दुनिया बनी थी, तब इस पर नदी, तालाब, पेड–पौधे, पशु–पक्षी सभी का पूरा अधिका था। किन्तु जैसे–जैसे आबादी बढती गई, वैसे–वैसे मनुष्य की आबादी भी बढती गई। जिनको पूरा करने के लिए मनुष्य ने पेड–पौधों को काटना शुरू किया। जंगलों को साफ करना शुरू किया, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगडने लगा। और बारूद की विनाश –लीला

ने वातावरण बदल दिया। प्रदूषण के कारण पशु–पक्षी बस्तियॉ छोडकर भागने लगे। और प्यावरण दूषित हो गया। जिसके परिणाम स्वरूप अब गर्मी में ज्यादा गर्मी , बेवक्त की बरसाते, जलजले, सैलाब, तूफान और नित्य नये रोग मनुष्य को झेलने पड रहे है। ये सब मनुष्यों की बढती आबादी के कारण है।

प्र02 लेखक की पत्नी को खिडकी में जाली क्यों लगवानी पडी?

उ02 लेखक के बंबई वाले फ्लैट में एक मचान में दो कबूतरों ने अपना घौसला बना लिया था। जिसमें उनके दो छोटे–छोटे बच्चे थे। छोटे–बच्चनों को ख्लिाने पिलाने की जिम्मेदारी अभी बडे कबूतरों की थी। इसलिए वे दिन में कई–कई बार आते–जाने थे। उनके आने–जाने से लेखक के परिवार को परेशानी भी होती थी, क्यों कि वे कबूतर कभी किसी चीज को गिराकर तोड देते थे, कभी लेखक की लाइब्रेरी में घुसकर किसी पुस्तक को गिरा देते थे। इस रोज–रोज की परेशानी से तंग आकर लेखक की पत्नि ने जहॉ पर कबूतरों का घौसला था वहा एक जानी लगा दी, और कबूतर के बच्चों को दूसरी जगह रख दिया। जिस खिडकी के द्वारा कबूतर अंदर आते थे उसे भी बंद कर दिया। अब दोनों कबूतर खिडकी के बाहर रात –भर खामोश और उदास बैठे रहते है।

प्र03 समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? और उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

उ03 बंबई में कई सालों से बडे–बडे बिल्डर समुद्र को पीछे–ढकेल कर उसकी जमीन को हथिया रहे थे। बेचारा समुद्र लगातार सिमटता जा रहा था। किंतु बिल्डर रूकने का नाम नहीं ले रहे थे। तब एक रात समुद्र को भी गुस्सा आ गया और उसने अपनी लहरों पर दौडते हुए।तीन जहाजों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक बर्ली के संमदर किनारे आकर गिरा, दूसरा बाद्रा में कार्टर रोड के सामने औधें मुह और तीसरा गेट–वे–ऑफ इंडिया पर टूट–फूटकर सैलानियों का नजारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने– फिरने के काबिल नहीं हो सके।